٧٨٦/٩٢

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

صـ م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم

صـ ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم

صـ م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم

صـ د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्कूत़

अस्सलामुल्मुह़म्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़्तति

सलामे मोह़म्मदी चहेल मीम ग़ैर मन्कूत़ (27)

मुरत्तिब

बमौक़ा जमादीअव्वल 1439हि0

बफ़ैज़े रूह़ानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com

2

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्लाहुम्म ल कल ह़म्दु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि कामिलवँ व सल्लिम दाइमवँ व कर्रिम सर्मदन अ़लामौलाई इस्मुहू अह़मदु व ह़ामिदूँ व मह़मूदूँ वमालिकि दारिस्सलामि व ह़म्दिकद्दाइमि व सिर्रि अस्रारि अलिफ़ लाम मीम व अलिफ़ लाम मीम स़ाद व अम्रिकल कमालि व हु व उ़लूवुकद्दाइमु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि अस्अ़दल्लाहु वालिदहू कुल्लल वालिदि वउम्महू कुल्लल उम्मि वआलहू कुल्लल आलि वअ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल्मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ वउम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द वलीयिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलीयिल्लाहि व आलिही वकुल्लि उममि रसूलिल्लाहि कुल्लल ह़ालि।

3

मुराद : अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे अल्लाह सारी ह़म्द अल्लाह ही केलिए है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है कामिल दुरूद दाइमीसलाम और सरमदी करम हमारे मौला के लिए हो कि उस का इस्म अह़मद व ह़ामिद और मह़मूद है और दारूस्सलाम के मालिक के लिए हो और अल्लाह की दाइमी ह़म्द के लिए हो और अस्रारे अलिफ़ लाम मीम व अलिफ़ लाम मीम स़ाद के सिर्र के लिए हो और अल्लाह के कमाले अम्र के लिए हो और वह अल्लाह की दाइमी उ़लू मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है अल्लाह कमाले स़ालेह़ किए उस रसूल के वालिद को सारे वालिद से और माँ को सारी माओं से और आलोऔलाद को सारी आलो औलाद से और(दुरूदो सलाम)उस रसूल के वालिद केलिए हो और माँ केलिए हो और आल केलिए हो,मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों केलिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी केलिए हो और आल केलिए हो,इस्लाम के मददगार केलिए हो और आल केलिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह केलिए हो और वलीयुल्लाह के हमदमों केलिए हो और आल केलिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम केलिए हो हर दम।

तौज़ीह़ी तर्जमाः- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है

4

सलामती देने वाला है ऐ हमारे अल्लाह तमाम तअ़रीफ़ तेरे ही लिए है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू खूब खूब कामिल दुरूद दाइमी सलाम और सरमदी करम नाज़िल फ़रमा हमारे मौला पर कि जिस का इस्मे पाक अह़मद व ह़ामिद और मह़मूद है और जन्नत के मालिक पर, तेरी दाइमी ह़म्द पर, अलिफ़ लाम मीम व अलिफ़ लाम मीम स़ाद के राज़ों के राज़ पर और तेरे कमाले अम्र पर और वह तेरी दाइमी बुलंदी मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रद़ियल्लाहु अ़न्हु) को तूने तमाम वालिद में सबसे ज़्यादा नेक बख़्त बनाया और जिनकी माँ (बी बी आमिना रद़ियल्लाहु अ़न्हा) को तमाम माओं में सबसे ज़्यादा नेक बख़्त बनाया और जिनकी आलो औलाद को तमाम आलो औलाद में सबसे ज़्यादा नेक बख़्त बनाया और (दुरूदोसलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रद़ियल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे ह़ुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़िमा ज़हरा रद़ियल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करनेवाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रद़ियल्लाहुअ़न्हु पर आपकी आल पर और

5

दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आपकी आलपर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूह़ानी पर और आलपर,और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम।

फ़ज़ीलते सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्कूत़(27)

यह "सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम" जो कि 40 मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्कूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीह़ी तर्जमा शामिल है जो शख़्स़ इस दुरूद को रोज़ाना 11/40 बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की मोह़ब्बत और खुश्नूदी ह़ासि़ल होगी उस पर मुकाश्फ़ात व मुशाहदात के दरवाज़े खोल दिए जाएंगे उसे हर मर्ज़ से शिफ़ा ह़ासि़ल होगी उस की हर दुआ़ क़बूल होगी और ईमान पर ख़ातेमा होगा।इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

नोटः- आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन "दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ अस्रारे "मीम ह़ा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम" वग़ैरह **www.syed14peer.com** पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं।

Mo. 9695435877